पाठ 10: मसीह में पूर्ण
शास्त्र गीत: सदा आनन्दित रहो – 1 थिस्सलुनीकियों 5:16–18, फिलिप्पियों 4:6

क. **सभी विश्वासियों के लिए एक प्रेरित संदेश**

1. कुलुस्सियों 2:1 — प्रेरित पौलुस ने कारावास से कुलुस्से के मसीहियों को यह प्रेरित पत्र किन लोगों के लिए लिखा था?
2. इस पत्र को पढ़ने वालों के लिए प्रेरित पौलुस किस सकारात्मक परिणाम की कामना करता था? कुलुस्सियों 2:2
3. कुलुस्सियों 2:3 — प्रेरित पौलुस ने यह क्यों ज़ोर देकर कहा कि बुद्धि और ज्ञान के सब भंडार हमारे स्वर्गीय पिता और मसीह में पाए जाते हैं? (देखें: कुलुस्सियों 2:9–10)
4. इस पत्र के प्राप्तकर्ताओं के साथ प्रेरित पौलुस ने कौन-से प्रोत्साहन और पुष्टि के शब्द साझा किए? कुलुस्सियों 2:5
5. हम मसीह में अपने विश्वास में दृढ़ कैसे बने रह सकते हैं?
6. प्रेरित पौलुस ने इस पत्र के प्राप्तकर्ताओं को कौन-सी सकारात्मक शिक्षा (उपदेश) दी? कुलुस्सियों 2:6–7
7. मसीह यीशु में उसी प्रकार चलने का क्या अर्थ है, जैसे हमने उसे अपने उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में ग्रहण किया?
8. यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार करने और उसके साथ चलना सीखने के विषय में आपकी गवाही क्या है?

ख. **सभी विश्वासियों के लिए एक चेतावनी**

1. कुलुस्सियों 2:1ए — इस पत्र के प्राप्तकर्ताओं के विषय में सोचते हुए प्रेरित पौलुस "एक बड़े संघर्ष" का अनुभव क्यों कर रहा था? (देखें: कुलुस्सियों 1:4, 8)
2. उन्हें मीठी और प्रभावशाली बातों से धोखा देने की कोशिश कौन कर रहा था? प्रकाशितवाक्य 12:9; उत्पत्ति 3:4–5
3. यह स्मरण रखना क्यों महत्वपूर्ण है कि हर प्रकार का धोखा "झूठ के पिता" से उत्पन्न होता है? (यूहन्ना 8:44)
4. कुलुस्से और उसके आसपास के क्षेत्र में यीशु के अनुयायियों के बीच झूठे शिक्षक कौन-से विशेष धोखे फैला रहे थे? कुलुस्सियों 2:11–23
5. वह "विधियों का लेख" क्या था जिसे क्रूस पर कीलों से ठोंक दिया गया? कुलुस्सियों 2:14
6. यीशु के अनुयायी अब इस्राएल की संतान को दी गई अनुष्ठानिक व्यवस्थाओं का पालन करने के लिए बाध्य क्यों नहीं हैं?
7. अनुष्ठानिक सब्त, अदन में दिए गए और चौथी आज्ञा में पुनः स्थापित साप्ताहिक सब्त से किस प्रकार भिन्न हैं? उत्पत्ति 2:1–3; निर्गमन 20:8–11
8. उन झूठे शिक्षकों को यीशु ने क्या फटकार दी, जो परमेश्वर की आज्ञाओं से बढ़कर मनुष्यों की परंपराओं को थोपना चाहते थे? मत्ती 15:7–9
9. हम झूठे शिक्षकों के द्वारा भटकाए जाने से कैसे बच सकते हैं? भजन 119:105; यशायाह 8:20; यूहन्ना 7:16–18; 16:13 आदि